किसने तुम्हें चेतावनी दी कि आने वाले क्रोध से बचो?

शalom। हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह का महान नाम धन्य हो।

स्वागत है, आइए हम मिलकर बाइबल का अध्ययन करें।

मत्ती 3:5-10 (एचसीएसबी)

“तब यरुशलेम और समूचा यहूदी प्रदेश तथा यर्दन के आसपास का क्षेत्र उसके पास आ रहे थे, और वे नदी में जाकर उसकी बपतिस्मा लेते हुए
अपने पापों को स्वीकार कर रहे थे। परन्तु जब उसने बहुत से फ़रीसी और सदूकी को बपतिस्मा लेने आते देखा, तो उसने उनसे कहा, ‘हे विषैले सर्पों की संतान! किसने तुम्हें आने वाले क्रोध से बचने की
चेतावनी दी? तुम पश्चाताप के योग्य फल लाओ। और यह न समझो कि,
“हमारे पास अब्राहीम पिता हैं,” क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ, कि परमेश्वर इन पत्थरों से भी अब्राहीम के पुत्र उठा सकता है। देखो, अब कुल्हाड़ी पेड़ों की जड़ पर रखी गई है, सो हर वह पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, काटकर आग में डाला जाता है।'”

ध्यान से देखें, छठे और सातवें पद पर: “हे विषैले सर्पों की संतान! किसने तुम्हें आने वाले क्रोध से बचने की चेतावनी दी?” यहाँ पर यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला फ़रीसी और सदूकी को ‘विषैले सर्पों की

संतान’ कहकर कड़ी आलोचना कर रहे हैं, जो उनके पाखंड और बुरी प्रवृत्ति को उजागर करता है। वे बपतिस्मा लेने तो आ रहे थे, लेकिन उनके दिल में सच्चा पश्चाताप और परिवर्तन नहीं था।

यह सवाल महत्वपूर्ण है: “किसने तुम्हें चेतावनी दी कि तुम आने वाले न्याय से बचने के लिए भागो?” वे यह समझते थे कि केवल बपतिस्मा लेने से वे परमेश्वर के आने वाले क्रोध से बच जाएंगे, लेकिन यूहन्ना ने उनकी आत्म-धोखाधड़ी को उजागर किया। बपतिस्मा, जब तक इसमें सच्चा पश्चाताप और पापों से मुक्ति नहीं होती, निरर्थक है।

पश्चाताप का अर्थ है जीवन में परिवर्तन, केवल एक संस्कार नहीं

यूहन्ना कहते हैं: “पश्चाताप के योग्य फल लाओ।” इसका मतलब है कि सच्चा पश्चाताप कार्यों से प्रकट होता है—पापी जीवनशैली से दूर जाना:

अगर तुम बुराई में लगे हो, तो उसे छोड़ दो।

अगर घमंड तुम्हारे दिल में है, तो आत्म-नियंत्रण से काम लो।

अगर तुम नशे में रहते हो, तो उसे छोड़ दो।

केवल बपतिस्मा करने से, बिना अपने दिल को परमेश्वर के प्रति समर्पित किए, कोई लाभ नहीं। यही संदेश था जिसे यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले फ़रीसी और सदूकी को देना चाहते थे।

पाखंड का खतरा

फ़रीसी बपतिस्मा को एक धार्मिक कृत्य समझते थे, यह उम्मीद करते हुए कि यह उन्हें किसी वास्तविक परिवर्तन के बिना बचा लेगा। आज भी बहुत से लोग इसी गलती में पड़ जाते हैं: वे सोचते हैं कि बपतिस्मा ही उन्हें स्वर्ग का टिकट दे देगा, चाहे वे अपने पापों में बने रहें।

लेकिन बाइबल साफ़ बताती है:

“इसलिए तुम पश्चाताप करो और मुड़कर परमेश्वर की ओर आओ, ताकि
तुम्हारे पापों का प्रायश्चित हो सके।” (प्रेरितों के काम 3:19)

“यदि हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं, तो वह विश्वासयोग्य और न्यायपूर्ण है, कि हमारे पापों को क्षमा करेगा और हमें हर अन्याय
से शुद्ध करेगा।” (1 यूहन्ना 1:9)

लेकिन सच्चा पश्चाताप केवल मुँह से नहीं, बल्कि जीवन से किया जाता है।

पवित्रशास्त्र से उदाहरण

निनिवे के लोग दिल से पश्चाताप किए, और परमेश्वर ने उन्हें न्याय से बचाया:

योना 3:10 – “जब परमेश्वर ने देखा कि उन्होंने अपनी बुरी चालों से मुंह मोड़ लिया है, तो उसने क्रोधित होने का अपना विचार छोड़ दिया
और जो विनाश लाने की योजना बनाई थी, उसे नहीं किया।”

परमेश्वर खाली शब्दों को नहीं, बल्कि वास्तविक पश्चाताप के कार्यों को स्वीकार करते हैं।

सच्चे अनुयायी बनने का आह्वान

यदि तुम यीशु का अनुसरण करने का निर्णय लेते हो, तो तैयार रहो हर दिन अपनी क्रूस उठाने के लिए (लूका 9:23)। इसका मतलब है:

इस संसार को पीछे छोड़ देना।

सच्चे दिल से पाप से लड़ना।

पूरी तरह से परमेश्वर के प्रति समर्पित जीवन जीना।

तभी तुम परमेश्वर की शक्ति और आशीर्वाद का अनुभव कर सकोगे।

अंतिम प्रोत्साहन

ध्यान रखना—सच्चा बपतिस्मा और उद्धार केवल तब आते हैं जब दिल और जीवन में परिवर्तन होता है। अन्यथा, तुम अपने ऊपर आशीर्वाद की बजाय न्याय लाने का जोखिम उठाते हो।

प्रभु तुम्हें समृद्ध रूप से आशीर्वाद दे।

यदि तुम इस प्रकार के और बाइबल के पाठ प्राप्त करना चाहते हो, तो कृपया हमें ईमेल या WhatsApp के माध्यम से संदेश भेजें या कॉल करें: +255789001312

साझा करें:
WhatsApp | प्रिंट करें

□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□?

Share on:
WhatsApp